# CBSE Class 12 Hindi Core 2007 - Set 2/1/1

## Question Paper

Conducted by the Central Board of Secondary Education (CBSE)

**Time Allowed: 3 Hours** **Maximum Marks: 100**

### General Instructions

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 20 मुख्य प्रश्न हैं।

(ii) उत्तर लिखना शुरू करने से पहले प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखिए।

(iii) प्रत्येक प्रश्न के साथ दिए गए निर्देशों, आंतरिक विकल्पों तथा शब्द-सीमाओं का पालन कीजिए।

## Questions

**1.** निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

समर में अमर कर प्राण,

गान गाए महासिंधु-से,

सिंधु-नद तीरवासी !

सैंधव तुरंगों पर

चतुरंग-चमू-संग

"सवा-सवा लाख पर

एक को चढ़ाऊँगा,

गोविंदसिंह निज

नाम जब कहाऊँगा।"

OR

**1.** निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

ऐसे आओ

जैसे गिरि के श्रृंग शीश पर

रंग-रूप का क्रीट लगाए

बादल आए

हंस-माल-माला लहराए

और शिला-तन—

कांति-निकेतन-तन बन जाए।

**2(क).** निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं दो का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए :

यों तो बच्चों की गुड़िया-सी भोली मिट्टी की हस्ती क्या,

आँधी आए तो उड़ जाए, पानी बरसे तो गल जाए।

**2(ख).** निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं दो का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए :

पुहुप मध्य ज्यौं बास बसत है मुकुर माँहि जस छाँई।

तैसे हां रहि बसै निरंतर घट ही खोजो भाई।।

**2(ग).** निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं दो का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए :

जहाँ तुम्हारे चरण, वहीं पर

पद-रज बनी पड़ी हूँ मैं

मेरा निश्चित मार्ग यही है

ध्रुव-सी अटल अड़ी हूँ मैं।

**3(क).** 'वीरांगना' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि नारी की तुलना लोहे से ही क्यों की गई है ?

**3(ख).** 'मैं और मेरा पिट्ठू' कविता के आधार पर क्लर्क-जीवन की विडम्बना पर प्रकाश डालिए।

**3(ग).** 'ये अनाज की पूलें तेरे काँधे झूलें' कविता में कवि ने 'जन-गण के भ्राता' किसे कहा है और क्यों ?

**4(क).** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

यद्यपि हम अनेक भाषाएँ बोलते हैं किन्तु भिन्न-भिन्न भाषाओं के भीतर बहने वाली हमारी भाव-धारा एक है तथा हम प्रायः एक ही तरह के विचारों और कथा-वस्तुओं को लेकर अपनी-अपनी बोली में साहित्य-रचना करते हैं। रामायण और महाभारत को लेकर भारत की प्रायः सभी भाषाओं के बीच अद्भुत एकता मिलेगी, क्योंकि ये दोनों काव्य सबके उपजीव्य रहे हैं। इसके सिवा, संस्कृत और प्राकृत में भारत का जो साहित्य लिखा गया था, उसका प्रभाव भी सभी भाषाओं की जड़ में काम कर रहा है। विचारों की एकता जाति की सबसे बड़ी एकता होती है। अतएव, भारतीय जनता की एकता के असली आधार भारतीय दर्शन और साहित्य हैं जो अनेक भाषाओं में लिखे जाने पर भी अंत में जाकर एक ही साबित होते हैं।

विभिन्न भाषा-भाषी होने पर भी हमारी भाव-धारा में समानता क्यों है ?

**4(ख).** हमारी एकता के आधार किन्हें माना गया है और क्यों ?

4(ग). 'विचारों की एकता जाति की सबसे बड़ी एकता होती है', आशय स्पष्ट कीजिए।

OR

4(क). निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

देह है नाशशील और आत्मा है शाश्वत, तो आत्मा को हिलना-झुकना नहीं है और देह को निरन्तर हिलना-झुकना ही है; नहीं तो हम हो जाएंगे रामलीला के रावण की तरह जो बाँस की खपच्चियों पर खड़ा रहता है - न हिलता है न झुकता है। हमारे विचार लचीले हों, परिस्थितियों के साथ वे समन्वय साधते चलें, पर हमारे आदर्श स्थिर हों। हमारे पैरों में जीवन के मोर्चे पर डटे रहने की भी शक्ति हो और स्वयं मुड़कर हमें उठने-बैठने-लेटने में मदद देने की भी।

देह और आत्मा के स्वभाव में मूल अंतर क्या है ?

4(ख). "हमारे विचार लचीले हों ..... आदर्श स्थिर हों" - कथन से लेखक का क्या तात्पर्य है ?

4(ग). अपने आसपास किन वस्तुओं को देखकर लेखक के मन में ये विचार उत्पन्न हुए ? उसने क्या निष्कर्ष निकाला ?

5(क). 'तत्सत्' कहानी के आधार पर बताइए कि पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों को पहले वन का होना क्यों नहीं समझ आ रहा था? बड़दादा को यह अहसास कैसे हुआ कि वन है ?

5(ख). गाँधी जी भारतीय समाज के सबसे बड़े आलोचक होते हुए भी सबसे बड़े देशप्रेमी कैसे थे ? 'मेरे लिए भारतीय होने का अर्थ' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

5(ग). नदियों के न रहने पर हमारी संस्कृति कैसे विच्छिन्न हो सकती है? ऐसा न होने देने के लिए हमें क्या करना चाहिए ? 'नदी बहती रहे' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

5(घ). 'नीलू' के स्वभाव की ऐसी तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए जिनके कारण वह अन्य कुत्तों से भिन्न लगती है।

6(क). 'विविधा : भाग-2' के आधार पर : पुरुषोत्तमदास टंडन और फौजियों के बीच टकराव का क्या कारण था ?

6(ख). 'विविधा : भाग-2' के आधार पर : मूँगा गूँगा की क्या विशेषता थी ? वह गाँव छोड़कर क्यों चला गया ?

6(ग). 'विविधा : भाग-2' के आधार पर : अरुमुगम क्यों प्रसिद्ध हो गया ?

6(घ). 'विविधा : भाग-2' के आधार पर : 'सत्यकिरण' एकांकी के द्वारा लेखक क्या संदेश देना चाहता है ?

7. भारतीय संगीत को पण्डित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर के योगदान पर प्रकाश डालिए ?

OR

7. भगिनी निवेदिता के व्यक्तित्व की चार विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

8(क). 'विराटा की पद्मिनी' के आधार पर : देवीसिंह कौन था ? लोचनसिंह उससे नाराज़ होकर क्यों चला गया ?

8(ख). 'विराटा की पद्मिनी' के आधार पर : विराटा की पद्मिनी किसे कहा गया है और क्यों ?

8(ग). 'विराटा की पद्मिनी' के आधार पर : 'पंचनदा' कहाँ है ? उसका यह नाम क्यों पड़ा ?

9. 'विराटा की पद्मिनी' उपन्यास के आधार पर कुमुद के चरित्र की चार प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

OR

9. 'विराटा की पद्मिनी' उपन्यास की रचना के पीछे लेखक का क्या उद्देश्य रहा होगा ? तर्क-संगत उत्तर दीजिए।

10. निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित पदों का व्याकरणिक परिचय दीजिए :

यह हमारी एकता का दूसरा प्रमाण है।

11(क). निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन कीजिए : ऊपर एक जगह हमने भूगोल को दोष दिया है। (कर्मवाच्य में)

**11(ख).** निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन कीजिए : वह आसानी से पहचान लिया जाएगा। (कर्तृवाच्य में)

**11(ग).** निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन कीजिए : अब थोड़ी देर टहल लें। (भाववाच्य में)

**12(क).** किन्हीं दो पदों का विग्रह कर समास का नाम लिखिए :

स्वतंत्र देश, चतुर्भुज, उत्तर-दक्षिण

**12(ख).** किन्हीं दो पद-समूह के समस्त पद बनाइए और समास का नाम भी लिखिए :

बिना खटके के, चार राहों का समूह, क्रीड़ा के लिए क्षेत्र।

**13(क).** निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए : पहले तो भ्रष्टाचार को खत्म करा जाना चाहिए।

**13(ख).** निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए : टीम में नहीं लिया तो तुम क्या करेगा ?

**13(ग).** निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए : गाँधी का देश बहुत ऋणी है।

**14(क).** निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : हमारी-तुम्हारी तरह इनमें जड़ें नहीं होतीं ? (प्रश्नार्थक में बदलिए)

**14(ख).** निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : यदि जड़ न हो तो वे जी नहीं सकते। (अर्थ के अनुसार वाक्यभेद बताइए)

**14(ग).** निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : जब तक मैं हूँ, तब तक कोई न डरे। (सरल वाक्य में बदलिए)

**14(घ).** निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : मैं देखता रहा कि वह पेड़ झुक रहा है। (रचना के अनुसार वाक्यभेद बताइए)

**15(i).** निम्नलिखित लोकोक्तियों और मुहावरों का वाक्य-प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए : उलटा चोर कोतवाल को डाँटे

**15(ii).** निम्नलिखित लोकोक्तियों और मुहावरों का वाक्य-प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए : साँच को आँच क्या

**15(iii).** निम्नलिखित लोकोक्तियों और मुहावरों का वाक्य-प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए : पापड़ बेलना

**15(iv).** निम्नलिखित लोकोक्तियों और मुहावरों का वाक्य-प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए : खरी-खोटी सुनाना

**16(क).** वाक्य-विश्लेषण कीजिए : कलाकार चित्र बना रहा था।

**16(ख).** एक संयुक्त वाक्य में संश्लेषण कीजिए : (i) एक दिन की बात है। (ii) कुछ लड़के नहाने के लिए आए। (iii) वे मछलियों के समान तैरने लगे।

**17(क).** निम्नलिखित अवतरण को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

सामाजिक जीवन में क्रोध की बराबर ज़रूरत पड़ती है। यदि क्रोध न हो तो मनुष्य दूसरों के द्वारा पहुँचाए जाने वाले बहुत से कष्टों से छूटने का उपाय ही न कर सके। कोई मनुष्य किसी दुष्ट की दो-चार चोटें नित्य सहता है। यदि उसमें क्रोध का भाव विकसित न हुआ तो वह केवल 'आह', 'ऊह' करेगा, जिसका उस दुष्ट पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उस दुष्ट के हृदय में विवेक, दया आदि उत्पन्न करने में बहुत समय लगेगा। इतने छोटे-छोटे कामों के लिए इतना समय किसी को नहीं दिया जा सकता। भयभीत प्राणी कभी-कभी अपनी रक्षा कर लेता है, पर इस प्रकार प्राप्त निवृत्ति स्थायी नहीं होती। हमारे कहने का अभिप्राय यह नहीं है कि क्रोध करने वाले के मन में सदा भावी कष्ट से बचने का उद्देश्य रहा करता है। कहने का अभिप्राय केवल इतना है कि चेतन सृष्टि के भीतर क्रोध का विधान इसीलिए है।

सृष्टि में क्रोध का विधान किसलिए किया गया है ?

**17(ख).** सामाजिक जीवन में क्रोध की आवश्यकता क्यों होती है ?

**17(ग).** दुष्ट के मन में किन गुणों का अभाव होता है ?

**17(घ).** कैसी निवृत्ति स्थायी नहीं होती और क्यों ?

**17(ङ).** उपर्युक्त अवतरण के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

**18(क).** निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

जो बीत गई सो बात गई।

जीवन में एक सितारा था,

माना, वह बेहद प्यारा था,

वह डूब गया, तो डूब गया,

अंबर के आनन को देखो

कितने इसके तारे टूटे

कितने इसके प्यारे छूटे

जो छूट गए फिर कहाँ मिले,

पर बोलो - टूटे तारों पर

कब अंबर शोक मनाता है !

जो बीत गई सो बात गई !

जीवन में वह था एक कुसुम

थे जिस पर नित्य निछावर तुम

वह सूख गया तो सूख गया

मधुबन की छाती को देखो

सूखी इसकी कितनी कलियाँ

मुरझाई कितनी वल्लरियाँ

पर बोलो सूखे सुमनों पर

कब मधुबन शोर मचाता है,

जो बीत गई, सो बात गई।

"टूटे तारों पर आकाश का शोर न मचाना" क्या सिद्ध करता है ?

**18(ख).** मधुबन किसका शोक नहीं मनाता और क्यों ?

**18(ग).** कविता का केंद्रीय भाव स्पष्ट कीजिए।

**18(घ).** 'तारा' और 'कुसुम' किसके प्रतीक हैं ?

**18(ङ).** आशय स्पष्ट कीजिए : "जो छूट गए, फिर कहाँ मिले" ?

**19.** किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए जिसमें बाढ़ उतरने के बाद बच गए लोगों के असहाय-निरुपाय जीवन का चित्रण हो।

OR

**19.** अपने पर्वतारोहण के शौक का उल्लेख करते हुए अपने पिताजी को पत्र लिखकर अनुरोध कीजिए कि वे आपको आगामी अप्रैल मास से पर्वतारोहण संस्थान, उत्तरकाशी में प्रशिक्षण के लिए अनुमति प्रदान करें।

**20(क).** निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए : युवा पीढ़ी का संसार

**20(ख).** निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए : लड़की को जन्म लेने का अधिकार है

**20(ग).** निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए : नई सदी : नया समाज

**20(घ).** निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए : भ्रष्टाचार — कारण और निवारण

**20(ङ).** निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए : शहर चलें अब गाँव की ओर

**- End of Question Paper -**